मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 'उ0प्र0 में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' विषयक कार्यशाला का शुभारम्भ किया

मुख्यमंत्री ने विश्व बैंक की सहायता से 2,741 करोड़ रु0 लागत की भारत के प्रथम एयर शेड आधारित 'उ0प्र0 क्लीन एयर मैनेजमेन्ट प्रोजेक्ट' की लॉन्चिंग की

मुख्यमंत्री के समक्ष यू0पी0 कैम्प सम्बन्धी एम0ओ0यू0 का आदान–प्रदान

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 13 रामसर स्थलों के डॉकेट का विमोचन तथा यू0पी0 कैम्प के 'लोगो', वेबसाइट तथा वीडियो का डिजिटल अनावरण किया

प्रदेश के 13वें एवं देश के 100वें रामसर स्थल के रूप में श्री जय प्रकाश नारायण पक्षी विहार/सुरहाताल, बलिया को अधिसूचित किये जाने का प्रमाण पत्र मुख्यमंत्री को भेंट

मुख्यमंत्री द्वारा उ0प्र0 में 100 नवीन आर्द्रभूमि अधिसूचित किये जाने की घोषणा एवं तत्सम्बन्धी पोर्टल का विमोचन

प्रदेश में नवअधिसूचित आर्द्रभूमियों में से 06 आर्द्रभूमियों से सम्बन्धित ग्राम प्रधानों को अधिसूचना का प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया

पौध रोपण 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महाअभियान–2026 के अन्तर्गत प्रदेश में 35 करोड़ पौध रोपण महाअभियान के 'लोगो' का अनावरण किया

मुख्यमंत्री के समक्ष जनपद श्रावस्ती स्थित गुलरा (केन नाला) को बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट के रूप में अधिसूचित किये जाने की घोषणा

मुख्यमंत्री ने यू0पी0 कैम्प 'लोगो' डिजाइन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं तथा आर्द्रभूमि में अधिसूचना को हस्तगत करने वाले ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया

विकसित भारत की आधारशिला स्वच्छ पर्यावरण के माध्यम से सम्भव स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा : मुख्यमंत्री

विश्व पर्यावरण दिवस पर हमें संकल्प लेना होगा कि प्रत्येक नागरिक 'एक पेड़ माँ के नाम' अवश्य लगाएगा, पेड़ लगाना ही काफी नहीं है, उसकी सुरक्षा का दायित्व भी लेना होगा

जल संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं, सिंगल यूज़ प्लास्टिक को पूरी तरह रोकें

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश में विगत 09 वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण, प्रदेश की सरकारी और निजी नर्सरियों में लगभग 55 करोड़ पौधे उपलब्ध

आगामी जुलाई में वन महोत्सव के दौरान 35 करोड़ वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाया जाएगा

उ0प्र0 जल संसाधन की दृष्टि से देश के समृद्धतम राज्यों में, हमें तालाब, पोखर, कुएं तथा बावड़ियों को संरक्षित करना होगा

लखनऊ : 05 जून, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विकसित भारत की आधारशिला स्वच्छ पर्यावरण के माध्यम से ही सम्भव है। स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में हम

सभी को मिलकर कार्य करना होगा। तभी हम विकसित भारत तथा विकसित उत्तर प्रदेश की दिशा में अपना योगदान दे पाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हमें संकल्प लेना होगा कि प्रत्येक नागरिक 'एक पेड़ माँ के नाम' अवश्य लगाएगा। पेड़ लगाना ही काफी नहीं है, उसकी सुरक्षा का दायित्व भी लेना है। जल संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाना है। सिंगल यूज़ प्लास्टिक को पूरी तरह रोकना है। प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली अपनाना होगा। नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' विषयक कार्यशाला का शुभारम्भ करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विश्व बैंक की सहायता से 2,741 करोड़ रुपये लागत की भारत के प्रथम एयर शेड आधारित उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेन्ट प्रोजेक्ट (यू0पी0 कैम्प) की लॉन्चिंग की। यू0पी0 कैम्प के 'लोगो', वेबसाइट तथा वीडियो का डिजिटल अनावरण किया। मुख्यमंत्री जी के समक्ष विश्व बैंक में एशिया क्षेत्र की प्रैक्टिस मैनेजर श्रीमती एन0 जेनेट ग्लोबर व सी0ई0ओ0 यू0पी0 कैम्प श्रीमती बी0 चन्द्रकला ने यू0पी0 कैम्प सम्बन्धी एम0ओ0यू0 का आदान–प्रदान किया।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश 13 रामसर स्थलों के डॉकेट का विमोचन किया। विश्व प्रसिद्ध रामसर कन्वेंशन के अन्तर्गत प्रदेश के 13वें एवं देश के 100वें रामसर स्थल के रूप में श्री जय प्रकाश नारायण पक्षी विहार/सुरहाताल, बलिया को अधिसूचित किये जाने का प्रमाण पत्र मुख्यमंत्री जी को भेंट किया गया। आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबन्ध) नियम–2017 के अन्तर्गत पूरे देश में 102 आर्द्रभूमियों को अब तक अधिसूचित किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में 100 नवीन आर्द्रभूमि अधिसूचित किये जाने की घोषणा एवं तत्सम्बन्धी पोर्टल का विमोचन किया। इस प्रकार देश में अधिसूचित आर्द्रभूमियों में प्रदेश का योगदान 50 प्रतिशत हो गया है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में नवअधिसूचित आर्द्रभूमियों में से 06 आर्द्रभूमियों से सम्बन्धित ग्राम प्रधानों को अधिसूचना का प्रमाण–पत्र प्रदान किया। 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महाअभियान–2026 के अन्तर्गत प्रदेश में 35 करोड़ पौधे रोपित किये जाने के महाअभियान के 'लोगो' का अनावरण किया। मुख्यमंत्री जी के समक्ष जनपद श्रावस्ती स्थित गुलरा (केन नाला) को बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट के रूप में अधिसूचित किये जाने की घोषणा की गयी।

मुख्यमंत्री जी ने यू0पी0 कैम्प 'लोगो' डिजाइन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं तथा आर्द्रभूमि में अधिसूचना को हस्तगत करने वाले ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने पर्यावरण पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है। जीवन चक्र जीव–जन्तुओं तथा पर्यावरण के परस्पर सम्बन्धों पर आधारित है। इस सम्बन्ध की उपेक्षा की कीमत विश्व मानवता चुका रही है। हमने छोटे से जीवनकाल में पर्यावरण की अनदेखी के परिणामस्वरूप मौसम चक्र बदलते हुए देखा है। 25 वर्ष पूर्व के मौसम चक्र तथा आज के मौसम चक्र में लगभग एक से डेढ़ महीने का अन्तर आ गया है। इससे अन्नदाता

किसान सर्वाधिक प्रभावित हो रहे हैं। किसानों को अतिवृष्टि तथा अनावृष्टि का सामना करना पड़ रहा है। इस परिदृश्य से पूरी दुनिया चिंतित है। असमय घटित होने वाली प्राकृतिक आपदाएं चेतावनी दे रही हैं ताकि हम उनसे बचने के लिए उपाय कर सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे पूर्वजों तथा भारत की ऋषि परम्परा ने पर्यावरण के प्रति समय–समय पर हम सबको आगाह किया है। वेदों की परम्परा में 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' को महत्व दिया गया है। श्रीलंका में भगवान श्रीराम विजय प्राप्त करने के पश्चात लक्ष्मण से कहते हैं कि हमारा काम पूर्ण हो चुका है, अब वापस अयोध्या चलना चाहिए। लक्ष्मण जी ने कहा कि यह लंका सोने की बनी है। कुछ दिन यहीं रहा जाए। भगवान श्रीराम ने उत्तर दिया कि 'अपि स्वर्णमयी लंका न में लक्ष्मण रोचते। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।' अर्थात मुझे स्वर्णमयी लंका भी अच्छी नहीं लगती; माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर होती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिस माँ ने हमें जन्म दिया है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना तथा कृतज्ञता ज्ञापित करना हम सबका दायित्व होना चाहिए। भौतिक उपलब्धियां आपके लिए तब तक उपयोगी हैं, जब तक आप स्वस्थ रहकर आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे हैं। हम सबके सामने आज एक चुनौती है कि कैसे पर्यावरण की रक्षा करें। पर्यावरण के समक्ष इन चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के पवित्र ग्रन्थों का अवलोकन करें। भारत की परम्परा में प्रत्येक जीव–जन्तु के प्रति हमारे सम्बन्ध बताये गये हैं। हम भगवान शंकर की पूजा करते हैं। उनका आभूषण गले में लिपटा हुआ सर्प है। उनकी सवारी नंदी है। उनके पुत्र कार्तिकेय की सवारी मोर है। दूसरे पुत्र गणपति की सवारी मूषक है। जगत जननी माँ भगवती की सवारी शेर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत में प्रत्येक कालखण्ड में बैलों की पूजा तथा गायों को मान्यता दी गई है। नंदी कृषि प्रधान व्यवस्था की आधार है। हमने उसकी पूजा शिव के रूप में की है। सर्प को हमारे अन्नदाता किसान के मित्र के रूप में मान्यता दी गई है। अर्थात सब एक दूसरे से जुड़े हैं। जीवन चक्र आपस में मिलकर बना है। आज प्रातःकाल कुकरैल में वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। वहां अच्छी वनस्पतियां तथा पेड़–पौधे हैं। लखनऊ सिटी और कुकरेल के तापमान में काफी अन्तर अनुभव किया जाता है। जिस समय लखनऊ में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान होगा, उस समय कुकरैल में 40 डिग्री सेल्सियस के आस–पास या उससे भी कम होगा। वहां कितना शानदार प्राकृतिक वातावरण है। प्रकृति की गोद में जो कुछ भी आगे बढ़ेगा वह प्रत्येक व्यक्ति व जीव–जन्तु के लिए महत्वपूर्ण होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए है।' यह थीम हमें बताती है कि भावी पीढ़ी के सुनहरे भविष्य जलवायु संकट के समाधान का सबसे शक्तिशाली स्रोत प्रकृति का संरक्षण, संवर्धन तथा प्रकृति अनुकूल जीवनशैली है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल, उपजाऊ भूमि और हरित वन मानव सभ्यता की जीवन रेखा है। यह तभी सम्भव है, जब प्रकृति सुरक्षित रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल योजना के माध्यम से प्रत्येक घर में पेयजल की व्यवस्था है। पहले कुआं खोदना एक पवित्र कार्य माना जाता था। और मान्यता क्या थी कि 'दश कूप समा वापी, दशवापी समो ह्रदः, दशह्रद समः पुत्रो, दशपुत्रो समो द्रुमः' अर्थात दस कुओं के सामान एक बावड़ी, दस बावड़ियों के सामान एक तालाब, दस तालाबों के बराबर एक पुत्र और दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है। अर्थात वृक्ष का महत्व सबसे अधिक है। आज 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारम्भ किया गया है। प्रदेश में आर्द्रभूमि के रूप में 100 स्थल चिन्हित किए गए। देश में रामसर साइट के रूप में 100वां और प्रदेश का 13वां रामसर साइट लांच किया गया है। वर्ल्ड बैंक के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेन्ट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश में विगत 09 वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। सरकारी और निजी नर्सरियों को मिलाकर प्रदेश में लगभग 55 करोड़ पौधे उपलब्ध हैं। हम लोगों ने इस संख्या को लगातार बढ़ाया है। आज 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान' के अन्तर्गत प्रदेश में 05 करोड़ वृक्षारोपण के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा रहा है। आगामी जुलाई माह में वन महोत्सव के दौरान 35 करोड़ वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाया जाएगा। यह माँ, प्रकृति तथा धरती माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे सामने प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों में ग्लोबल वॉर्मिंग, वायु प्रदूषण, बायोडायवर्सिटी का क्षरण, जल संकट आदि सम्मिलित हैं। पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैसों के अनेक हानिकारक कण लंग्स को प्रभावित कर रहे हैं। सिंथेटिक केमिकल और समय के साथ डीकम्पोज न होने वाली चीजें पर्यावरण में घुल रही हैं, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं। वर्षा का चक्र बदल गया है। एक समय में देश के किसी कोने में सूखा तो दूसरे कोने में बाढ़ की स्थिति होती है। इन सभी संकटों का सामना करने के लिए प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों को जो विजन दिया है, वह वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश जल संसाधन की दृष्टि से देश के समृद्धतम राज्यों में से एक है। हमें जल संसाधन से समृद्ध स्थलों को चिन्हित कर उन्हें अवैध कब्जे से मुक्त कराना होगा। मनुष्यों तथा जीव सृष्टि के साथ–साथ जन्तु सृष्टि को भी बचाए रखना है। यह जैव विविधता के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री जयप्रकाश जी की पावन जन्मभूमि से जुड़े जनपद बलिया में सुरहाताल प्रदेश के 13वें रामसर साइट के रूप में चिन्हित हुआ है। ऐसे अनेक स्थल हैं जिनको हम आगे बढ़ा सकते हैं। जनपद गोरखपुर में चिलुआताल ऐसे पड़ा हुआ था।

वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री जी ने गोरखपुर के बन्द पड़े खाद कारखाने को प्रारम्भ किया था। उस समय यह चिन्ता का विषय था कि इस कारखानें में जल की आपूर्ति कहां से होगी। कारखाने के बगल में स्थित चिलुआताल को संरक्षित किया गया। आज उस खाद कारखानें, टाउनशिप, एस0एस0बी0 मुख्यालय तथा सैनिक स्कूल को चिलुआताल से जलापूर्ति हो रही है। चिलुआताल और गोरखपुर शहर के तापमान में अत्यधिक अन्तर

अनुभव किया जाता है। गोरखपुर में 1,400 एकड़ क्षेत्रफल में विस्तृत रामगढ़ताल को भी संरक्षित कर किया गया है। यह विशुद्ध नेचुरल वॉटर बॉडी है।

मुख्यमंत्री जी ने अपनी ग्राम पंचायतों में आर्द्रभूमि चिन्हित करने वाले ग्राम प्रधानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बहुत ही सराहनीय प्रयास है। हम सभी का दायित्व बनता है कि इस तरह के कार्यों में रुचि लेकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। जनपद श्रावस्ती में गुलरा (केन नाला) को बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट के रूप में अधिसूचित किया गया है। श्रावस्ती भगवान श्रीराम के पुत्र लव द्वारा बसाई गई नगरी है। भगवान बुद्ध ने सर्वाधिक चातुर्मास यहीं व्यतीत किए थे। यह जैन परम्परा से जुड़ी तीर्थ स्थली भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें तालाब, पोखर, कुएं तथा बावड़ियों को संरक्षित करना होगा। इन्हें अपने ग्राम पंचायत व नगर निकाय का हिस्सा बनाएं। यह जल संरक्षण के आधार बनेंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर स्थापित करने के बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया था। हमें अमृत सरोवर की सफाई के कार्यक्रम के साथ जुड़ना होगा। इन वॉटर बॉडीज तथा नदी के कैचमेन्ट एरिया में अवैध अतिक्रमण नहीं होने देना है। कुकरैल में अवैध कब्जा हटाकर शानदार सौमित्र वन स्थापित किया गया है। आज सौमित्र वन लखनऊ के शानदार प्राकृतिक दृश्यों में गिना जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में प्रदेश की अवसंरचना में अभूतपूर्व विकास के साथ–साथ यहां का फॉरेस्ट कवर बढ़ा है। सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के लिए संकट है, इसके उपयोग को रोकना होगा। लोग जल संरक्षण कार्यक्रम के साथ बढ़–चढ़कर जुड़ें।

कार्यक्रम को वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अरुण कुमार सक्सेना ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास हुआ है। प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक कदम उठाए गये हैं। विगत 09 वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। वन विभाग की सामाजिक वानिकी जैसी योजनाएं प्रदेश के वन क्षेत्र में वृद्धि के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री के0पी0 मलिक, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव वन एवं पर्यावरण श्रीमती वी0 हेकाली ज़ीमोमी, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डॉ0 आर0पी0 सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री सुनील चौधरी व श्रीमती अनुराधा वेमुरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————————

PN-CM-World Environment Day-Clean Air Management Project-05 June, 2026